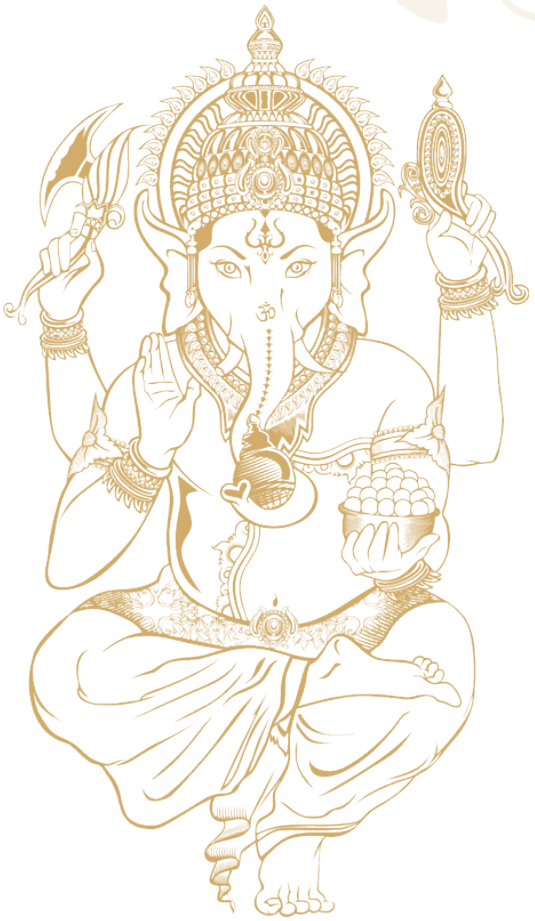

Arun

23 Apr 1984

02:05 PM

Baghpat

Model: web-freekundliweb

Order No: 120969402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/04/1984**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:05:00 घंटे**
इष्ट	20:43:50 घटी
स्थान	**Baghpat**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:56:00 उत्तर
रेखांश	77:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:43:56 घंटे
वेलान्तर	00:01:42 घंटे
साम्पातिक काल	03:50:14 घंटे
सूर्योदय	05:47:27 घंटे
सूर्यास्त	18:51:48 घंटे
दिनमान	13:04:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:44:14 मेष
लग्न के अंश	08:00:48 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:00:48	312:03:35	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मेष	09:44:14	00:58:28	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मक	13:31:19	12:05:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	02:43:25	00:13:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	मेष	07:48:36	00:41:28	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	19:15:50	00:01:13	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मीन	25:28:44	01:13:52	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि	व		तुला	20:11:50	00:04:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	13:30:21	00:00:47	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	13:30:21	00:00:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	19:23:30	00:01:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप	व		धनु	07:40:31	00:00:39	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	07:02:29	00:01:42	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृष	06:06:48	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:00

लग्न-चलित

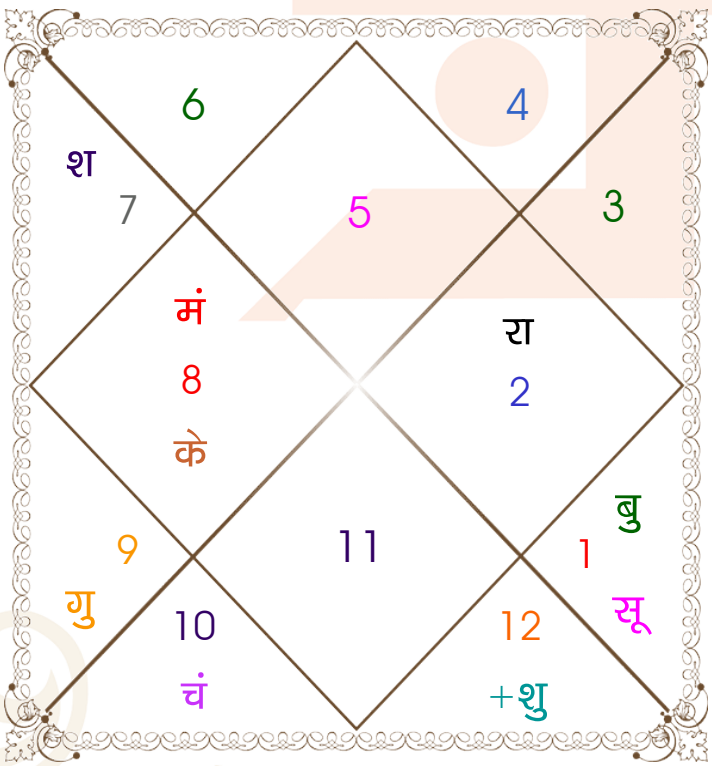

चन्द्र कुंडली

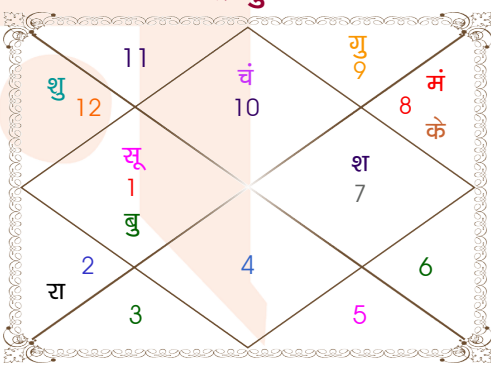

नवमांश कुंडली

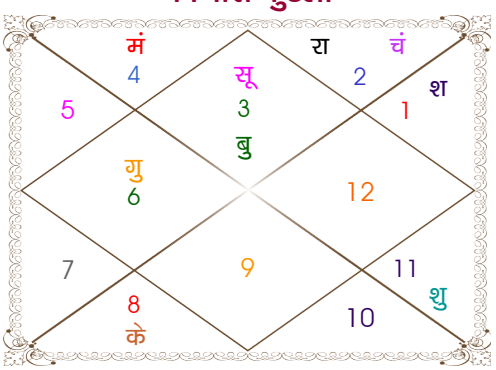

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 4 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/04/1984		02/09/1991		02/09/1998		01/09/2016		01/09/2032	
02/09/1991		02/09/1998		01/09/2016		01/09/2032		02/09/2051	
	00/00/0000	मंगल	29/01/1992	राहु	15/05/2001	गुरु	20/10/2018	शनि	05/09/2035
	23/04/1984	राहु	15/02/1993	गुरु	08/10/2003	शनि	03/05/2021	बुध	15/05/2038
राहु	02/08/1984	गुरु	22/01/1994	शनि	14/08/2006	बुध	08/08/2023	केतु	24/06/2039
गुरु	02/12/1985	शनि	03/03/1995	बुध	03/03/2009	केतु	14/07/2024	शुक्र	23/08/2042
शनि	03/07/1987	बुध	28/02/1996	केतु	21/03/2010	शुक्र	15/03/2027	सूर्य	05/08/2043
बुध	01/12/1988	केतु	27/07/1996	शुक्र	21/03/2013	सूर्य	02/01/2028	चंद्र	06/03/2045
केतु	02/07/1989	शुक्र	26/09/1997	सूर्य	13/02/2014	चंद्र	03/05/2029	मंगल	15/04/2046
शुक्र	03/03/1991	सूर्य	31/01/1998	चंद्र	15/08/2015	मंगल	08/04/2030	राहु	18/02/2049
सूर्य	02/09/1991	चंद्र	02/09/1998	मंगल	01/09/2016	राहु	01/09/2032	गुरु	02/09/2051

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/09/2051		01/09/2068		02/09/2075		02/09/2095		02/09/2101	
01/09/2068		02/09/2075		02/09/2095		02/09/2101		00/00/0000	
बुध	28/01/2054	केतु	28/01/2069	शुक्र	01/01/2079	सूर्य	20/12/2095	चंद्र	04/07/2102
केतु	26/01/2055	शुक्र	30/03/2070	सूर्य	02/01/2080	चंद्र	20/06/2096	मंगल	02/02/2103
शुक्र	26/11/2057	सूर्य	05/08/2070	चंद्र	01/09/2081	मंगल	26/10/2096	राहु	24/04/2104
सूर्य	02/10/2058	चंद्र	06/03/2071	मंगल	01/11/2082	राहु	20/09/2097		00/00/0000
चंद्र	02/03/2060	मंगल	02/08/2071	राहु	01/11/2085	गुरु	09/07/2098		00/00/0000
मंगल	28/02/2061	राहु	20/08/2072	गुरु	02/07/2088	शनि	21/06/2099		00/00/0000
राहु	17/09/2063	गुरु	27/07/2073	शनि	02/09/2091	बुध	27/04/2100		00/00/0000
गुरु	23/12/2065	शनि	05/09/2074	बुध	03/07/2094	केतु	02/09/2100		00/00/0000
शनि	01/09/2068	बुध	02/09/2075	केतु	02/09/2095	शुक्र	02/09/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।